मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

मीडिया प्रकोष्ठ (Media Cell)

प्रेस विज्ञप्ति | दिनांक: 13 मई, 2026

मगध विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में “उर्दू शोध का वर्तमान परिदृश्य और उसके मुद्दे” विषय पर व्याख्यान आयोजित

सेमिनार के दौरान मुख्य वक्ता और उपस्थित शिक्षकगण

मगध विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के तत्वावधान में **“उर्दू शोध का वर्तमान परिदृश्य और उसके मुद्दे”** विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष **प्रोफेसर डॉ. अबुल लैस शम्सी** ने की, जबकि संचालन की जिम्मेदारी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तरन्नुम जहाँ ने निभाई।

इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. शाहिद रिज़वी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सम्मी इक़बाल, डॉ. शकीला निगार, डॉ. ज़ियाउल्लाह अनवर सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में **प्रोफेसर सफदर इमाम कादरी** शामिल हुए।

अपने विस्तृत और सारगर्भित व्याख्यान में प्रो. सफदर इमाम कादरी ने वर्तमान दौर में उर्दू शोध की स्थिति, चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा को केवल समस्याओं के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि उसके व्यापक अवसरों के साथ भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने बड़ी साहित्यिक हस्तियों का उदाहरण देते हुए मातृभाषा उर्दू को महत्व देने की बात कही तथा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने की सलाह दी।

उन्होंने छात्रों को अध्ययन की ओर गंभीरता से प्रेरित करते हुए कहा कि आज जो सीखा जाएगा, वही आने वाले तीस-चालीस वर्षों तक उनके व्यक्तित्व और शिक्षण का आधार बनेगा। उन्होंने शिक्षक की योग्यता को विद्यार्थियों के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका बताया। प्रो. कादरी ने काजी अब्दुल वदूद का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे बिना औपचारिक शिक्षा के भी शोध में महत्वपूर्ण स्थान बनाया जा सकता है।

उन्होंने उर्दू के सही इमला और उच्चारण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि भाषा की तहज़ीब उसकी सही लिखावट और उच्चारण में निहित होती है। विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि बिहार सरकार द्वारा जल्द ही कई पदों पर नियुक्तियाँ निकाली जाने वाली हैं। उन्होंने "मगही भाषा पर उर्दू के प्रभाव" जैसे विषयों पर शोध करने की सलाह भी दी।

कार्यक्रम में प्रोफेसर शाइस्ता अंजुम ने भी अपने संबोधन में शोधार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अबुल लैस शम्सी ने मुख्य अतिथि, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

© मीडिया प्रकोष्ठ, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया